S-259

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-503

भारतीय दर्शन भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. विशिष्टाद्वैत दर्शन के ज्ञान मीमांसा का विवेचन कीजिए।

2. सांख्यकारिका के अनुसार प्रकृति के स्वरूप का विवेचन करते हुए उसको सिद्ध कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

(क) दृष्टमनुमानमाप्तवचनं च सर्वप्रमाणसिद्धत्वात्।

त्रिविधं प्रमाणमिष्टं प्रमेयसिद्धिः प्रमाणाद्धि।।

(ख) अतिदूरात् सामीप्यादिन्द्रियघातान् मनोऽनवस्थानाच्च।

सौक्ष्म्याद् व्यवधानादभिभवात् समानाभिहारात् च।।

(ग) दृष्टवदानुश्रविकः स ह्यविशुद्धिक्षयातिशययुक्तः।

तद्विपरीतः श्रेयान् व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्।।

4. वेदान्तसार के अनुसार कर्म के स्वरूप पर भेद सहित प्रकाश डालिए।

5. पन्चीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वेदान्त दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अज्ञान के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

2. तत्वत्रय से क्या तात्पर्य है? व्याख्या कीजिए।

3. शरणागति से क्या तात्पर्य है?

4. सूक्ष्म शरीर के अवयव पर प्रकाश डालिए।

5. अनुबन्ध चतुष्टय को समझाइए।

6. वेदान्तसार के मंगलाचरण की व्याख्या कीजिए।

7. मध्व के मत में प्रत्यक्ष के प्रकारों को लिखें।

8. वेदान्तसार में वर्णित 'सूक्ष्म शरीर' के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।